NJSS और लोक समिति का त्रैमासिक कार्यक्रम रिर्पोट
जुलाई अगस्त सितम्बर 0९

आशा सामाजिक विद्यालय नागेपुर और हरसोस ः इन दोनो विद्यालय का सत्र जुलाई माह से प्रारम्भ किया गया.सभी टीचर गॉवो मे जाकर अभिभावको से सम्पर्क किया.लोगो से अपने अपने बच्चों को स्कुल मे दाखिला कराने की अपील किया.इस समय नागेपुर केन्द्र मे कुल १८६ बच्चे और हरसोस मे कुल १६0 बच्चे अभी शिक्षा ले रहे है.सितम्बर माह मे दोनो केन्द्र पर त्रैमासिक परीक्षा कराया कराया गया.वर्तमान मे दोनो विद्यालय ठीक चल रहे है. हर माह बच्चो का मासिक टेस्ट लिया जाता है.साथ ही प्रत्येक माह बच्चों के अभिभावको के साथ नियमित बैठक किया जा रहा है.अभी बच्चों के साथ शिक्षा के साथ साथ सामाजिक मुद्दो पर समुह चर्चा खेल व खिलौनो के माध्यम से मनोरंजन पूर्ण शिक्षा पर ज्यादा से ज्यादा कोशिश किया जा रहा है.केन्द्र के टीचरो ने आगामी छः माह का कार्यक्रम बनाया है और उसी के अनुसार वे कार्यक्रम कर रहे है.एक अच्छी बात यह है कि इस साल जिले के बेसिक शिक्षा अधिकारी से सम्पर्क करके बच्चों के लिए निःशुल्क किताब उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया. बेसिक शिक्षा अधिकारी ने दोनो विद्यालय को किताब उपलब्ध कराया.

NFE सेंटर ः हरसोस नागेपुर और दोनो NFE सेंटर ठीक चल रहे है.ये सेंटर शांम को ६ बजे से ८ बजे तक दो घन्टे चलता है.दोनो केन्द्र पर लाइट की बैटरी खराब होने के कारण लाइट की समस्या थी लेकिन अभी अभी केन्द्र पर नया बैटरी बनाया गया है. जिससे अब बच्चे ठीक से पढ़ाई कर रहे है.इस साल दोनो सेंटर से १0 बच्चों को कक्षा ५ की परीक्षा मे बैठाने की तैयारी है.खुशी का बात यह है कि नागेपुर सेंटर से गोविन्द नाम का लड़का ने कक्षा ५ की परीक्षा पिछले साल पास किया था जो कि अभी वह साड़ी का काम छोड़कर अब नियमित स्कुल जा रहा है. इन दोनो सेंटर मे करीब ६0 बच्चे इस समय पढ़ते है.सैदापुर का सेंटर अभी बंद कर दिया गया है क्योंकि अब वहॉ पर ज्यादा काम करने वाले बच्चें नही थे इसलिए अब दुसरे गॉवो का सर्वे किया जा रहा है यदि कोई गॉव मे ज्यादा काम करने वाले बच्चें मिलेगे तो वहॉ पर सेन्टर चलाया जायेगा.

किशोरी चेतना एवं सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र ः कल्लीपरु हरसोस बेनीपरु नागेपुर भीमचण्डी और भीरभानपुर मे किशोरी लड़कियो के लिए केन्द्र चल रहा है.जिन जिन गॉवो मे यह केन्द्र चल रहा है वहॉ पर किशारी लड़कियो और उनके मॉ के साथ स्वमं सहायता समुह बनाया गया है. अभी केन्द्र पर पढ़ाई सिलाई कढ़ाई के साथ साथ उनके साथ अलग अलग विषयो जैसे महिला हिंसा महिला अधिकार पंचायत मे महिला की भागीदारी स्वास्थ्य आदि पर बैठक प्रशिक्षण करके जानकारी दिया गया.साथ ही महिने मे एक बार लड़कियों के अभिभावक के साथ बैठक भी किया गया ताकि उनके आपसी पारिवारिक रिस्ते मजबुत हो सके. सभी केन्द्रो पर १0 वर्ष से १८ वर्ष के बीच की लड़किया आती है.ये ऐसी बच्चियॉ है जो की

अनपढ़ या बहुत ही कम पढ़ी लिखी है. इसके अलावा समय समय पर उन्हे कढ़ाई ज्वेलरी चूड़िया व खेल का सामान आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया.हर एक केन्द्रो पर २५ से ३५ लड़किया आती है.राजातालाब का सिलाई केन्द्र भी ठीक चल रहा है.ऊँच गॉव और रखौना मे दो नये किशोरी केन्द्र खोले गये है क्योंकि मेहदीगंज का सेंटर ठीक से नही चलने के कारण बंद कर दिया गय है.

ASV के बच्चे व किशोरी केन्द्र की बच्चियों ने दिवाली पर बनाया मोमबत्ती : इस साल दिवाली पर ASV के बच्चे व किशोरी केन्द्र की बच्चियों ने दिवाली पर मोमबत्ती बनाकर करीब चार हजार रूपये की बिक्री किया गया.कुल २ हजार चार सौ रूपये की लागत से करीब चार हजार छः सौ रूपये की कैन्डिल तैयार किया गया.और चार हजार रूपये का सामान बेचा गया.आगे सभी का विचार है कि इसे व्यापक पैमाने पर बनाकर इसका कारोबार किया जाय.

किशोरी केन्द्र की बच्चियों की बच्चियों के द्वारा तैयार किये गये सामानो की लगायी गयी प्रदर्शनी :

प्रशिक्षण के दौरान तैयार किये गये हैण्डीक्राफ्ट के सामान जैसे कढाई के रूमाल खिलौने कंगन व चूड़िया ज्वेलरी आदि सामानो की समापान समारोह मे प्रदर्शनी लगाई गयी.जिसमे करीब पॉच सौ का सामान बेचा गया. इसी प्रकार सरकार के लघु उद्योग विभाग ने किशोरी केन्द्र की बच्चियों की बच्चियों के द्वारा तैयार किये गये सामानो की प्रदर्शनी लगाने का निमंत्रण दिया. ९ १० व ११ अक्टुबर को मिर्जापुर जिले के एक कालेज मे प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमे करीब आठ सौ का सामान बेचा गया.इसी प्रकार अभी किसी के जन्मदिन या शादी आदि समारोहो मे उपहार के रूप मे दिये जाने वाले सामान लोग केन्द्र के द्वारा बनाये गये सामानो को खरीद रहे है.स्वावलम्बन की दिशा मे यह एक सार्थक प्रयास है.

कम्प्यूटर कार्यक्रम : जुलाई सत्र से आशा सामाजिक विद्यालय नागेपुर मे बच्चो के लिए कम्प्यूटर कार्यक्रम चलाया गया है. जहॉ पर कक्षा ३ ४ व ५ के बच्चे प्रेम जी फाउण्डेशन बंगलौर के द्वारा तैयार किये गये सी०डी० की मदद से हिन्दी गणित विज्ञान व अंग्रेजी पढ़ रहे है. कम्प्यूटर कार्यक्रम से बच्चों मे बहुत परिवर्तन आया है.शुरू मे बिजली के अभाव मे कम्प्यूटर पर बच्चो को ठीक से समय नही मिलता था. लेकिन दीपम भाई के सहयोग से एक इन्वर्टर लगाया गया है अब बिजली की ज्यादा समस्या नही है.लेकिन केवल दो ही कम्प्युटर होने के कारण सभी बच्चों को ठीक से टाइम नही मिल पाता है.

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन : २७ जुलाई को लोक समिति कार्यालय मे एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया.जिसमे कई प्राइवेट अस्पतालो से सम्पर्क

कियागया.शिविर मे करीब ४00 रोगियो का निशुल्क इलाज किया गया. औरलोगो को कुछ जरूरी दवा भी दिया गया. डाक्टरो मे प्रमुख रूप से डा0 सतीश जायसवाल डा0 जे0पी0 पालडा0 राजकुमार जायसवाल डा0इन्द्रावर्मा ःस्त्री रोगः डा0 जी0एस0 उपाध्याय डा0 अजीत प्रताप वर्मा डा0 आर बी0 यादव ने अपना अमूल्य योगदान दिया.इस शिविर से काफी लोगो को फायदा हुआ.

स्वयं सहायता समुह ः इस समय करीब ३५स्वयं सहायता समुह चल रहा है.५ नये स्वयं सहायता समुह बनाये गये. सभी समुहो का हर माह बैठक किया गया.उनका हिसाब किताब किया गया और उनका पैसा जमा कराया गया. एक समुह के पदाधिकारियो को समुह के एकाउन्ट के रखरखाव के बारे मे प्रशिक्षण दिया गया.साथ ही हर एक समुह का रजिस्टर भी देखा गया.और उसमे आवश्यक सुधार किया गया.

जुलाई अगस्त और सितम्बर माह मे किये गये प्रमुख कार्यक्रम

महिला कजली महोत्सव ःहर वर्ष की तरह इस साल भी महिला कजली सम्मेलन का आयोजन किया गया गया. जिसमे अलग अलग गॉव मे संगठन से जुड़ी करीब २५00 महिला शामिल हुई.प्रतियागिता के रूप मे २७ टीमों ने भाग लिया और अपने अपने कार्यक्रम को दिखाया.अन्त मे कल्लीपुर को प्रथम मेहदीगंज की टीम को द्वितीय और गनेशपुर की टीम को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया.बाकी टीमो को सांत्वना पुरस्कार मिला.इस अवसर पर स्थानीय भाषा मे गीत लिखने वाले १२ कवियों को भी सम्मानित किया गया.यह कार्यक्रम यूनियन बैक राजातालाब के आर्थिक सहयोग से किया गया.कार्यक्रम मे बी0डी0ओ0 श्री श्रवण कुमार राय ब्लाक प्रमुख श्री महेन्द्र सिंह पटेल तथा बैक के उपमहा प्रबन्धक श्री सच्चिदानन्द जी बतौर अतिथि उपस्थित रहे.

स्वतन्त्रता दिवस मनाना ः आशा सामाजिक विद्यालय अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र किशोरी औरसिलाई केन्द्रो पर धुमधाम से स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया.इस अवसरपर अलग अलग केन्द्रो पर ग्रामप्रधान व गॉव के अन्य सम्मानित लोग भी शामिल रहे.केन्द्र के बच्चों ने खेलकुद गीत संगीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया.कार्यक्रम के अन्त मे सभी लोगो को नास्ता कराया गया और कुछ बच्चो को पुरस्कृत भी किया गया.

बाल मेला ः २५ दिसम्बर को NJSS द्वारा संचालित सभी शिक्षण केन्द्रो के साथ बाल मेला का कार्यक्रम धुमधाम से मनाया गया.जिसमें बच्चो के द्वारा खेलकुद नाटक डान्स गीत संगीत आदि रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया.जिसमें सभी केन्द्र के बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया.कार्यक्रम में सबसे बड़ी उपलब्धी किशोरी केन्द्र की बच्चियों का सांस्कृतिक कार्यक्रम रहा.क्योंकि जो लड़कियॉ एक

साल पहले किसी से बात करने मे संकुचाती या डरती थी.वही आज हजारो लोगो के सामने मंच पर गीत नाटक नृत्य करके लोगो को मंत्रमुग्ध कर रही थी.कार्यक्रम देख रहे गॉन वालो को भी विश्वास नही हो रहा था कि आखिर हमारे बच्चो मे इतना बदलाव कैसे आया.

कार्यक्रम मे आराजी लाइन ब्लाक के खण्ड विकास अधिकारी श्री श्रवण कुमार राय मुख्य अतिथि रहे.उन्होने कार्यक्रम मे अच्छे बच्चों के प्रदर्शन पर पुरस्कृत भी किया.और अपने तरफ से दो हजार रूपये का सहयोग किया.कार्यक्रम के बाद सभी बच्चों को नास्ता कराया गया.

: NREGA पर कार्यक्रम ः

मजदुर युनियन का गठन ः राट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (**NREGA**) पुरे देश मे लागु तो हो गया.लेकिन जिन लोगो के लिए यह योजना लागु किया गया अब भी वे मजदुर १00 दिन का काम पाने और औसत मजदुरी पाने के लिए संघर्षरत है. आए दिन अखबारो मे किसी न किसी गॉव मे नरेगा मजदुरो के शोषण की कहानी छपती रहती है.हर रोज पंचायत, ब्लाक, बैंक, जिला कार्यालयो मे नरेगा मजदुर काम की तलाश मे डेरा डाले रहते है.और बेबसी में इन्तजार करते कि कोई सरकारी कर्म चारी राजनितिक पार्टी के नेता स्वयं सेवी संगठन के कार्यकर्ता आदि आए और उनकी फरियाद को सुनें.

अगर देखा जाय तो सार्वजनिक व प्राइवेट सेक्टरो मे संगठित मजदुरो ने अपने हक और अधिकारो के लिए खुद का अपना यूनियन बना लिया है.लेकिन अब भी असंगठित मजदुर जिनकी संख्या संगठित मजदुरो से कई गुना ज्यादा है, वे अभी भी संगठन के अभाव मे अपने हको और अधिकारो से वंचित होते रहे है.नरेगा के मजदुर इसका ताजा उदाहरण है.जहॉ जॉब कार्ड बनाने से लेकर काम करने और मजदुरी के भुगतान तक वे दुसरे लोगो पर निर्भर बने रहते है.नतीजा यह है कि और योजनाओं की भॉति नरेगा योजना भी भ्रष्टाचार के आगोश मे समाता चला जा रहा है.लेकिन तमाम दिक्कतो के बावजुद भी देखने मे यह आ रहा है कि जहॉ जहॉ के मजदुर जागरूक होकर योजना को अपने हक मे लागु कराने का संगठनिक प्रयास किये है, वहॉ पर नरेगा योजना कुछ हद तक सफल भी हुआ है.

वाराणसी जिले के आराजी लाईन ब्लाक के नरेगा मजदुरो ने एक नई पहल शुरू कर दिया है.इस ब्लाक के १0७ ग्राम पंचायतो मे करीब १८ हजार नरेगा मजदुर है. जिसमें ६0 ग्राम पंचायतो के नरेगा मजदुरो ने अपना खुद का यूनियन बना लिया है.२८ अगस्त को आराजी लाईन ब्लाक के राजातालाब ब्लाक मुख्यालय के सभागार मे एक अविश्वसनीय दृश्य था.जहॉ पर इस ब्लाक के करीब ६0 ग्राम पंचायतो से हजारो की संख्या मे नरेगा जॉब कार्ड मजदुर एकत्रित हुए.वे अपने हक और अधिकारो के लिए एक संगठित प्रयास किया जिसको नाम दिया **नरेगा मजदुर**

यूनियन. सभा की शुरूआत मजदुरो ने गीत से किया. इसके बाद नरेगा कानून के बारे मे लोगो ने विस्तार से चर्चा किया. और नरेगा मजदुर यूनियन की सार्थकता पर विचार विमर्श हुआ. तय किया गया कि आज नरेगा मजदुरो का ब्लाक स्तरीय कमेटी का गठन किया जायेगा. गौरतलब हो कि इन पंचायतो मे पिछले तीन माह से हर एक पंचायत मे भी पंचायत स्तरीय युनियन का गठन किया जा चुका है. और हर एक पंचायत मे १५ से २० मजदुरो का एक कार्य समिति गठित भी किया गया है. इसी प्रकार तय हुआ कि हर एक पंचायत के एक पुरूष और एक सकीय महिला का चुनाव करके सभी पंचायतो को मिलाकर ब्लाक कमेटी बनाया जाय. सम्मेलन मे आये सभी प्रतिनिधियो ने अपने अपने गॉव के साथ ग्रुप बनाकर बैठक किया. और फिर सभी लोगो को मिलाकर ब्लाक कमेटी बनाया गया. यह चयन प्रक्रिया पुरी पारदर्शिता के साथ किया गया. अविश्वसमरणीय यह रहा कि मेंहदीगंज के सैकड़ो मजदुरो ने एक ऑख से बहुत कम दिखाई देने वाले दृष्टिहिन मजदुर महेन्द्र पटेल को अपना ब्लाक प्रतिनिधि चुना. महेन्द्र पटेल की खासियत यह है कि उनको ऑख से कम दिखने के बावजूद पुरी तत्परता से लोगो के साथ काम करते है. इसी प्रकार सीरभानपुर के साथियों ने एक विकलांग मजदुर राजकुमार को अपना नेता चुना. यही बेनीपुर, असवारी और भीमचण्डी ग्राम पंचायतो से दोनो ही महिला मजदुर का चुनाव किया गया.

ब्लाक कमेटी का गठन होने के बाद एक संचालन समिति का चुनाव किया गया. जिसमे गनेशपुर पंचायत के श्री बुद्धिराम को अध्यक्ष, परमंदापुर पंचायत के श्री हीरालाल जी को उपाध्यक्ष, नागेपुर पंचायत की कमला देवी को कोषाध्यक्ष, पयागपुर पंचायत के खाल अलील को सचिव, नियैसीपुर पंचायत के अशोक कुमार को संगठन मंत्री और ढोलापुर के कैलाश प सीरभानपु के राजकुमार को सूचनामंत्री बनाया गया है.

अन्त मे ब्लाक स्तरीय युनियन बनने पर मजदुरो का हमेशा से सहयोग करने वाले खण्डविकास अधिकारी श्री श्रवण कुमार राय ने सभी मजदुरो को बधाई दिया और साथ ही यूनियन को हर स्तर से सहयोग करने का आश्वासन दिया. कार्यक्रम मे वाराणसी जौनपुर, देवरिया, भदोही, मिरजापुर, नौगढ़ , चन्दौली, बलिया आदि जिलो के तमाम सामाजिक कार्यकर्ता भी उपश्चित होकर मजदुर साथियो का उत्साह बढ़ाया. नरेगा मजदुरो का यूनियन बनाने मे लोक समिति के कार्यकर्ताओ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. कार्यक्रम के अन्त मे आगामी कुछ महिनो का कार्यक्रम भी बनाया गया. जिसमे मजदुरो को १00 दिन का काम सुनिश्चित करने, काम न मिलने की दशा मे बेरोजगारी भत्ता की मॉग करने, सूखे से प्रभावित जिलो मे कार्य दिवसो की संख्या बढ़ाने और साथ ही यूनियन को मजबुती के लिए अन्य गॉवो मे भी

युनियन का गठन करने, सदस्यता अभियान चलाने आदि का कार्यक्रम आदि प्रमुख है.

बहरहाल मजदुरो ने अपने यूनियन को बनाने मे जो उत्सुकता दिखाई है आशा की जानी चाहिए की इन मजदुरो का एक छोटा संगठित प्रयास अन्य मजदुरो के लिए भी प्रेरणा का काम करेगी.साथ ही नरेगा योजना को लागु कराने वाली सरकार से उम्मीद की जानी चाहिए की वे मजदुरो के इस प्रयास को हर स्तर से सहयोग करेंगे.

इसी प्रकार १६ सितंबर को काशी विद्यापीठ मे भी लोक चेतना समिति व महिला चेतना समिति के पहल पर मजदुरो का युनियन बनाया गया है. जिसमे करीब ४० गाँवो से मजदुर इकट्ठा हुए.

नरेगा योजना पर किये गये अन्य प्रमुख कार्य

रोजगार सेवक ने जॉब कार्ड व खाता खुलवाने के लिए पैसा लिया रोजगार सेवक निलम्बित : वाराणसी जिले के आराजी लाईन ब्लाक के चकपानपुर मे रोजगार सेवक ने दर्जनो मजदुरो से जॉब कार्ड बनवाने व खाता खुलवाने के एवज मे प्रत्येक से दो दो सौ रूपये ले लिया था. मजदुरो ने इसकी शिकायत **लोक समिति** के कार्यकर्ताओं से किया फिर बाद मे इसका लिखित शिकायत खण्ड विकास अधिकारी श्री श्रवण कुमार राय जी से भी किया. समिति के कार्यकर्ताओ ने जब इसकी जॉच किया तो मजदुरो की शिकायत सही निकला.मामले को मिडिया मे आने के बाद इधर रोजगार सेवक ने मजदुरो पर दबाब बनाना शुरू किया.समिति के कार्यकर्ताओ को भी प्रलोभन देने की कोशिश किया. कुछ मजदुरो को प्रलोभन देकर सभी को टैक्टर मे बिठाकर खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय लेकर पहुँच गयें.खण्ड विकास अधिकारी ने अपने स्वभाव के अनुरूप मौके पर जाकर जॉच करने की बात कहकर सबको वापस लौटा दिया.१४ जुलाई को खण्ड विकास अधिकारी व कर्मचारीगण तथा लोक समिति के कार्यकर्ता चकपानपुर गाँव पहुँचे.पहले तो मजदुर दबाव मे कुछ भी बोलने से डर रहे थे.लेकिन बाद मे एकएक मजदुरो ने रोजगार सेवक की शिकायत किया.खुद रोजगार सेवक ने भी पैसे लेने की बात स्वीकार किया.मजदुरो की शिकायत सही साबित होने पर खण्ड विकास अधिकारी महोदय ने रोजगार सेवक को बर्खास्त कर दिया.

रामरायपुर मे मजदुरो के साथ बैठक करके काम प्रारम्भ कराया गया : आराजी लाइन ब्लाक के रामरायपुर पंचायत मे काम प्रारम्भ नही हो पा रहा था.क्योंकि एक साथ सभी मजदुर काम की माँग कए रहे थे और एक जगह पर सबको काम मिलना मुश्किल हो रहा था.रोजगार सेवक के आग्रह पर १३ जुलाई को लोक समिति के कार्य

कर्ताओ ने गॉव मे मजदुरो के साथ बैठक किया.सभी के साथ बात करने के बाद यह निर्णय लिया गया कि एक साथ दो जगहो पर काम लगाया जाय.कल से कुछ मजदुर तालाब की खुदाई में कार्य करेगे.शेष मजदुर एक दिन बाद सम्पर्क मार्ग पर कार्य करेगे.अगले दिन से सभी मजदुर काम करने लगे.

मजदुरो की पिटाई के विरोध मे थाने का घेराव, विपक्षी ने दिया मजदुरो को मुआवजा

ः १५ जुलाई को चकपानपुर के १५० मजदुर मजदुर नरेगा योजना के अन्तर्गत चकरोड पर मिटटी का कार्य कर रहे थे.कि गॉव के एक ब्राह्मण जिनका खेत सड़क के किनारे पर था आकर मजदुरो को यह कहते हुए गाली देने लगे कि तुमलोग मेरे खेत से मिटटी क्यो निकाले चलो अभी सारा मिटटी खेत मे डालो.मजदरो ने कहा कि हम काम बंद कर दे रहे है.प्रधान जी ने काम लगाया है आप उनसे बात कए लिजिए अगर उनका निर्देश होगा तो हमलोग आपका खेत समतल भी कर देगे.परन्तु ब्राह्मण जी को मजदुरो का यह जबाब नागवार लगा.और कुछ मजदुरो को दौड़ा दौड़ाकर मारना शुरू किया.क्षुब्ध मजदुर अपनी फावड़ा टोकरी लेकर स्थानीय पुलिस थाना मिर्जामुराद पर चले गये. लेकिन पुलिस ने भी शिकायत दर्ज करने के बजाय आपस मे समझ लो कहकर वापस लौटा दिया. पुनः मजदुरो ने लोक समिति के साथियों को फोन किया. समिति के लोगो ने सभी मजदुरो को लेकर थाने पहुॅच गये और विपक्षी को तत्काल हाजिर करने का आग्रह किया.इस बार पुलिस ने ब्राह्मण जी को थाने मे बुलाया.मजदुरो का तेवर देख ब्राह्मण जी को माफी मॉगने मे ही भलाई नजर आया.उन्होने मजदुरो की मॉग को स्वीकारते हुए सभी से हाथ जोड़कर माफी मॉगी और हर्जाने के रूप मे सभी पीड़ित मजदुरो को पॉच हजार रूपया दिया.अन्त मे सुलहनामा लिखकर दोनो पक्षो मे समझौता कराया गया.

मजदुरो ने लगाया धांधली का आरोप बी0डी0ओ0 ने किया जॉच ः

आराजी लाईन ब्लाक के परमन्दापुर पंचायत में नरेगा मजदुरो ने रोजगार सेवक प्रधान व सेकेट्री के उपर ज्यादा मानव दिवस दिखाकर फर्जी तरीके से पैसा निकालने का आरोप लगाया है और खाता खोलने के नाम पर कुछ मजदुरो से पचास पचास रूपये वसुलने की बात कही.हुआ यह कि २२ जुलाई को नरेगा मजदुरो ने लोक समिति कार्यकर्ताओ से शिकायत किया कि काम लगने के बावजुद हमलोगो को काम नही मिल पा रहा है.कार्यकर्ता सुरेश उसी दिन गॉव मे जाकर मजदुरो के साथ बैठक किया तो कुछ मजदुरो ने आरोप लगाया कि हमे काम नही मिल रहा है जब लोगो से इसका कारण पुछा गया तो उन्होने ने बताया कि मौजी के तालाब पर उन्होने ७ दिन का काम किया.परन्तु उनके खाते मे १५ दिन के काम की मजदुरी १५00 रूपये डाल दिया गया.हम लोगो को ७ दिन की मजदुरी देकर शेष पैसा मॉगा गया. जब हम लोगो ने पैसा देने से इन्कार कर दिया तो अब हम लोगो को काम

नही दिया जा रहा है.जब इस सन्दर्भ मे ग्राम प्रधान से बात किया गया तो उन्होने बताया कि मजदुर गलत बोल रहे है मैने जरूर कुछ मजदुरो के खाते मे पैसा उन मजदुरो का डाला था जिनका खाता नही खुल पाया था.और वे मजदुर काम किये थे इसलिए उनका पैसा दुसरे मजदुर के खाते मे डालकर उन्हे दिया गया.इस मामले की जॉच के लिए अगले दिन खण्ड विकास अधिकारी महोदय गॉव पहुँचे.मजदुरो ने पुनः वही शिकायत उनके सामने भी किया.कुछ मजदुरो ने अपना जॉब कार्ड भी दिखाया जिसपर उनके द्वारा किये गये काम से ज्यादा हाजिरी दर्शाया गया था.फिलहाल खण्ड विकास अधिकारी महोदय ने जल्द ही गॉव मे नरेगा के तहत किये गये कार्य का शोसल आडिट कर कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है.

१३वें वित्त आयोग अध्यक्ष और सदस्यो ने लिया नरेगा कार्य का जायजा ः

१६ जुलाई को १३वें वित्त आयोग अध्यक्ष **श्री विजय केलकर** और ११ सदस्यो ने आराजी लाईन ब्लाक के शाहंशाहपुर गॉव का दौरा किया. उन्होने गॉव मे नरेगा योजना के तहत बनाये गये तालाब सड़क व बिगार्ड का जायजा लिया.साथ ही मौके पर नरेगा के तहत सम्पर्क मार्ग पर काम कर रहे मजदुरो से बातचीत भी किया और उनका जॉब कार्ड का निरीक्षण किया मजदुरो ने बताया कि कैसे इस योजना से काम मिलने पर उनकी रोजी रोटी चल रही है और अब उनके बच्चे स्कुल भी जाने लगे है लेकिन उन्होने काम का दायरा १00 दिन से ज्यादा बढ़ाने का मॉग भी किया.नरेगा के तहत इस ब्लाक मे किये गये कार्यो पर सभी लोगो ने खुशी जाहिर किया.इसके बाद सभी लोगो ने गॉव के प्राइमरी स्कुल ऑगनवाड़ी मिडडे आदि का भी निरीक्षण किया.सभी शाहंशाहपुर गॉव को आदर्श गॉव के रूप मे विकसित कर रहे ग्राम प्रधान कृष्णेश्वर सिंह व ग्रामवासियो को बधाई भी दिया.इस अवसर पर जिलाधिकारी,कमिश्नर,डी0आई0जी0,डी0डी0ओ0,बी0डी0ओ0 समेत तमाम अधिकारी प्रधानगण पत्रकार साथी व लोक समिति कार्यकर्ता मौजुद रहे.

कमिश्नर ने किया दरेखु व दीनदासपुर गॉव का शोसल आडिट ः वाराणसी जोन के मण्डलायुक्त श्री सुरेश चन्द्रा जी १४ जुलाई को आराजी लाइन ब्लाक के दरेखु और दिनदासपुर गॉव मे ग्रामीणो के बीच चौपाल लगाकर शोसल आडिट किया.जहॉ पर उन्होने नरेगा के तहत किए गये कार्यो का निरीक्षण किया और मजदुरो से बातचीत किया. इन दोनो गॉवो मे नरेगा व अन्य योजनाओं के तहत किये गये विकास कार्यो पर संतोष व्यक्त किया.

दूरदर्शन ने लिया नरेगा योजना का सक्सेज स्टोरी की रिकार्डिग ः २१ जुलाई को दिल्ली दुरदर्शन की टीम ने आराजी लाईन ब्लाक का दौरा किया और अपने चैनल पर दिखाये जाने वाले एपिसोड **मेहनत रंग लायेगी** के लिए नरेगा के तहत ग्राम

सभा ढरेखु प दिनढासपुर मे किये गये बेहतरीन कार्यो की रिकार्डिंग किया और योजना के सफल संचालन पर लोगो से बातचीत किया. गौरतलब है कि नरेगा योजना के तहत ढरेखु गॉव मे एक करीब ३०० वर्ष पुराना मंदिर के तालाब प सार्वजनिक जमीन का पुर्नउद्धार किया गया है. इस तालाब पर धीरे धीरे कुछ लोगो ने अवैध कब्जा कर लिया था. मंदिर का भवन प जमीन जर्जर अवस्था मे चला गया था. लेकिन बी0डी0ओ0 ने गॉव के प्रधान प ग्रामीणो के सहयोग से इस स्थान को पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने का बीड़ा उठाया है. जिससे पंचायत प लोगो को काम के साथ साथ भविष्य मे आमदनी का जरीया भी मिल सके. क्योंकि यह स्थान वाराणसी शहर के बिल्कुल नजदीक है. वर्तमान मे यहॉ पक्का तालाब बनकर तैयार है और नरेगा के इस स्थान पर्यटक स्थल के रूप मे विकसित करने का काम जोरो पर चल रहा है.

इसी प्रकार ग्राम सभा दिनढासपुर मे नरेगा योजना के तहत कुल १२ तालाबो की खुदाई किया गया है जहॉ पर मत्स्य विभाग के सहयोग से मछली पालन का काम किया जा रहा है. अभी नये वित्तीय वर्ष के ४ माह के अन्दर ही करीब २०० मजदुरो को १०० दिन का काम पुरा होने वाला है. दुसरे गॉवो के लिए ये दोनो गॉव एक माडल बन सकते है.

दिल्ली दूरदर्शन ने इन दोनो गॉवो मे किये कार्यो का प्रसारण २८ जुलाई को रात १०ः३० पर और पुनः प्रसारण २ अगस्त को दोपहर १२ः३० पर डी0डी0 न्यूज पर एपिसोड **मेहनत रंग लायेगी** के नाम से दिखाया.

नरेगा के तहत किये जाने वाले व्यक्तिगत कार्यो का सर्वे प ग्राम सभा की खुली बैठक मे प्रस्ताव ः नरेगा योजना के तहत ११ तरह के नये कार्य रहने वाले गरीब परिवारो की जमीन पर कार्य कराये जा सकते है इस संदर्भ मे लोक समिति के कार्य कर्ता प ब्लाक के लोगो के साथ बैठक किया गया. और तय किया गया कि इस योजना का व्यापक पैमाने पर प्रचार प्रसार किया जाय. तय कार्यक्रम के अनुसार गॉव गॉव मे छोटी छोटी बैठके किया गया. लोगो को इस योजना के बारे मे जानकारी दिया गया और अपनी जमीन पर काम कराने के इच्छुक लोगो का सर्वे किया गया. और कई गॉवो मे ग्राम सभा की खुली बैठक मे प्रस्ताव पारित किया गया. कुछ गॉवो की सूचि बी0डी0ओ0 को दिया गया. अभी आने वाले दिनों में इस योजना पर ज्यादा काम किया जायेगा.

मजदुरो का संगठन बनाना ः अभी प्रत्येक गॉव मे नरेगा मजदुरो का बैठक किया जा रहा है और हर गॉव से १० से १५ सक्रीय मजदुर का एक युनिट बनाया जा रहा है जो कि नरेगा योजना सही से काम करे इसपर काम के साथ साथ निगरानी का भी काम करेगे. इनका २८ अगस्त को ब्लाक कार्यालय मे पहला सम्मेलन होगा.

रोजगार सेवको की बैठक : नरेगा मजदुरो की ही तरह सभी रोजगार सेवको का भी संगठन बनाया गया है.जिनकी बैठक ४ और ७ जुलाई को ब्लाक कार्यालय के सभागार मे किया गया. बैठक मे खण्ड विकास अधिकारी ने सभी रोजगार सेवको को नरेगा के नये शासनादेश के बारे मे बताया. साथ ही सभी रोजगार सेवको ने अपने अपने गॉवो मे नरेगा की स्थिति व कियांवयन की समस्या के बारे मे अवगत कराया.सभी ने मिलकर इस योजना को प्रभावी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने की योजना बनायी.बैठक को सम्पन्न कराने मे लोक समिति के साथियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

नरेगा मजदुरो के साथ ग्रामीण बैठके व समस्या समाधान : इसी प्रकार अलग अलग गॉवो मे जॉब कार्ड काम मजदुरी भुगतान खाता खोलने काम को शुरू कराने आदि समस्याओं को लेकर बैठके किया गया. और प्रधान रोजगार सेवक ब्लाक व बैंक के कर्मचारी से मिलकर समस्या समाधान का प्रयास किया गया.समस्या समाधान मे खण्डविकास अधिकारी श्री श्रवण कुमार राय जी व लोक समिति के सुरेश जी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी.

अन्य कार्य :पिछले तीन माह मे राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत विशेषरूप से कार्य किया गया.आराजी लाइन के अलग अलग गॉवो का सर्वे करने के बाद ब्लाक के कर्मचारियो के साथ बैठक किया गया.ब्लाक के लोग और पंचायत के लोग लोक समिति के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई.अभी आराजी लाईन के लगभग सभी गॉवो मे हमलोग विशेषरूप से कार्य कर रहे है.और इसके अलावा दुसरे ब्लाको मे भी नरेगा के काम को करने मे मदद किया जा रहा है.जिसमे कई गॉव जैसे नागेपुर भीमचण्डी दीनदासपुर ढोलापुर चक्रपानपुर परमंदापुर हरसोस आदि गॉवो मे शोसल आडिट किया गया. अलग अलग गॉवो मे जॉब कार्ड बनवाने मजदुरी भुगतान बैक खाता खुलवाने काम प्रारंभ कराने आदि कामो मे सहयोग किया गया. साथ ही सभी रोजगार सेवको के संगठन का पुर्नगठन किया गया.

टीचर ट्रेनिंग कार्यक्रमः आशा सामाजिक विद्यालय नागेपुर में दिनॉक ११ व १२ अक्टूबर को दो दिन का प्रशिक्षण दिया गया.जिसमें आशा सामाजिक विद्यालय किशोरी केन्द्र अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र और सभी कार्यकर्ता समेत ३० लोगो ने भाग लिया. मुख्य प्रशिक्षक के रूप मे सिद्ध (SIDH) के फाकरा जी ने प्रशिक्षण दिया. SIDH (सोसायटी फॉर इण्टीग्रेटेड डेवलपमेण्ट ऑफ हिमालयाज) मसुरी में शिक्षा के क्षेत्र मे काम करने वाली एक शोध संस्थान है सिद्ध अपनी पाठशालाओ मे पिछले एक दशक से शिक्षा मे कुछ ऐसे प्रयोग करता आ रहा है कि बच्चे अपने समाज एवं परिवेश के माध्यम से ही भाषा गणित विज्ञान भूगोल की अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप से समझकर सीखें ताकि बच्चें मे अस्मिता एवं आत्मविश्वास का भाव जागृत हो सके .

पहले दिन दिन प्रशिक्षण का कार्यक्रम सुबह ९:३० पर क्रान्तिगीत से प्रारम्भ हुआ.इसके बाद सभी ने अपना अपना परिचय दिया.इसके बाद आज की शिक्षा कैसी होनी चाहिए इस चर्चा के लिये सभी लोगो को चार समुहो मे बाँटा गया.ग्रुप चर्चा के माध्यम से शिक्षा के उद्देश्यो पर विस्तृत चर्चा चलायी गयी.फिर सभी लोगो से कहा गया कि आप अपने को पढ़ाये किसी एक ऐसे अध्यापक को याद करके बताइए जिन्हे आप अभी भी याद करते है या जिनकी अच्छी बाते आज भी आपको याद है.फिर सभी लोगो ने अपने अपने बात को रखा.

बच्चो के साथ हमारा व्यव्हार कैसा हो तथा बच्चो से हम सहभागी के रूप मे कैसे बने इसके बारे मे विशेषरूप से बताया गया.इसके साथ ही बच्चो के आत्मविश्वास को बढ़ाने के बारे मे जानकारी दिया गया.

SHG समुह की महिलाओं ने वृक्षारोपड़ कर किया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

लोक समिति वाराणसी जिले के आराजी लाईन ब्लाक मे पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे सघन रूप से कार्य कर रहा है. एक तरफ जहाँ कोका कोला कम्पनी के द्वारा किये जा रहे भूजल शोषण व प्रदुषण के खिलाफ पिछले सात साल से लगातार विरोध कर रहा है.वही दुसरी तरफ जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण की दिशा मे ग्रामीणो व प्रशासन के साथ मिलकर लगातार रचनात्मक कार्यक्रम कर रहा है.

वाराणसी जिले मे लगातार पाँच वर्षो से बारिश न होने के कारण सूखा पड़ रहा है.इस साल भी औसत बारिश न होने के कारण उ0प्र0 सरकार ने वाराणसी जिले को सूखा घोषित कर दिया है नतीजना यह है कि आराजी लाईन ब्लाक जल संकट की समस्या से पहले ही परेशान है.वही इस साल की बारिश न होने के कारण किसानो के सामने भूखमरी की स्थिति पैदा कर दी है.पिछले कई सालो से लगातार बारिश न होने पर अब ग्रामीणो को सोचने पर मजबुर कर दिया है कि हमे इस दिशा मे कुछ सकारात्मक कार्य करना होगा.सब लोगो ने तय किया कि अब बर्षा मे सहायक पेड़ व तालाबो पर हमे काम करना है.

लोक समिति के द्वारा करीब ३५ स्वयं सहायता समूह महिलाओं के बीच बनाये गये है. नागेपुर मे ५ स्वयं सहायता समुह का गठन किया गया है.इन समुह की महिलाओं ने निर्णय लिया कि हमलोग गाँव के सार्वजनिक स्थानो पर वृक्षारोपड़ करके गाँव के लोगो को भी समझायेगे कि वे अपने खेतो घरो व अन्य स्थानो पर अधिक से अधिक पेड़ लगाये.उन्होने अपनी योजना गाँव के सरपंच व बी0डी0ओ0 को बताकर उनसे इस कार्यक्रम के लिए सहयोग करने की अपील किया.गाँव के सरपंच श्री मुकेश जी ने उन्हे करीब २०० अलग अलग प्रजाति के पौधे जैसे आम, नीम,

आँवला, सागौन, शीशम आदि पेड़ उपलब्ध कराया. बी0डी0ओ0 श्री श्रवण कुमार राय ने स्वयं आकर कार्यक्रम मे शामिल होकर सहयोग करने का वादा किया.

२८ जुलाई को सुबह १0 बजे से करीब समुह की १00 महिलाओं के नेतृत्व मे पौध रोपड़ का कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया. सबसे पहले जिला विकास अधिकारी श्री एस0 के0 राम व बी0डी0ओ0 श्री श्रवण कुमार राय जी ने गाँव के सामुदायिक भवन के पास एक पेड़ लगाकर उद्घाटन किया. उसके बाद समुह की महिलाओ ने ग्रामीणो के साथ मिलकर तालाब के किनारे व सामुदायिक भवन के पास खाली पड़ी जमीन पर पेड़ लगाये.कार्यक्रम पहले लोगो ने बच्चों के साथ मिलकर पर्यावरण जागरूपता रैली निकाली.

कार्यक्रम मे आये जिला विकास अधिकारी श्री एस0 के0 राम व बी0डी0ओ0 श्री श्रवण कुमार राय जी ने समुह की महिलाओं की भूरी भूरी प्रसन्शा किया. साथ ही उन्होने लोगो से अपील किया कि वे जितनी उत्सुकता से पौध रोपड़ का कार्य किया है.उसी प्रकार वे इसके संरक्षण कि भी जिम्मेदारी गाँव वालो के साथ के मिलकर करें.कार्य क्रम मे उर्मिला पटेल ने नितु उर्मिला विश्वकर्मा ने मुख्य भूमिका निभायी.

इसी प्रकार लोक समिति द्वारा इस ब्लाक के कई गाँवो मे जल संचयन हेतु नरेगा योजना के तहत तालाबो का निर्माण व उसका पुर्नउद्धार का काम किया गया है.इस वर्ष तक हमलोग इस ब्लाक मे ७0 नये तालाब बनाने हेतु प्रशासन के साथ मिलकर काम करने का लक्ष्य रखा है.इस दिशा मे तेजी से काम चल रहा है.

किशोरी प्रशिक्षण शिविर : नागेपुर मे १८ अगस्त को और बेनीपुर मे २२ अगस्त को सभी किशोरी केन्द्र की बच्चियों को स्वास्थ्य पर एक एक दिन का प्रशिक्षण दिया गया.जिसमे कुल लगभग १00 लड़कियों ने भाग लिया.प्रशिक्षण मे आयी प्राथमिक स्वास्थ्य की एन0एम0 ने स्वास्थ्य के बारे और साफ सफाई विशेषकर अंदरूनी हिस्सो से सम्बन्धित जानकारी दिया.

SHG प्रशिक्षण शिविर : २७ अगस्त को स्वयं सहायता समुह की पदाधिकारियो को एक दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाया गया. जिसमे उन्हे पैसो का हिसाब कैसे रखना है और उन्हे अपने एकाउन्ट व रजिस्टर के रख रखाब के बारे मे बताया गया.कार्य क्रम मे ८ समुह से २९ लोगो ने भाग लिया.मुख्य प्रशिक्षक के रूप मे महिला चेतना समिति की तनुजा जी रही.

भ्रूण हत्या के खिलाफ बालिकाओ ने निकाली जागरूपता रैली १५ सितम्बर 0९ को लोक समिति एवं महिला चेतना समिति के तत्वाधान में आराजी लाइन ब्लाक के दर्ज

नो गॉव की बालिकाओ ने भ्रूण हत्या, दहेज, बाल यौन हिंसा व बाल विवाह आदि के खिलाफ जागरूपता रैली निकाली. **भ्रूण हत्या बन्द करो, लिंग जॉच बन्द करो, दहेज लेना दहेज देना बन्द करो, औरत भी जिन्दा इन्सान नही भोग की वह सामान, जलती लड़की करे पुकार अब ना सहेगे अत्याचार, भीख नही सम्मान चाहिए जीने का अधिकार चाहिए, बाल यौन हिंसा बन्द करो, बाल विवाह पर रोक लगाओ जैसे** नारो के साथ रैली मे शामिल लड़कियॉ बैनर पोस्टरो के साथ कतारबद्ध चल रही थी. नागेपुर, कल्लीपुर, बेनीपर, मेहदीगंज, कचनार, भीमचण्डी, हरसोस, बीरभानपुर, हरपुर, ऊचगॉव आदि गॉवो से गॉव की लड़कियॉ अपने अपने गॉव से टोली बनाकर मेहदीगंज मे एकत्रित हुई फिर रैली का शुभारम्भ किया गया. रैली का नेतृत्व उर्मिला व नितु ने किया. रैली मेहदीगंज राजातालाब कचनार होते हुए आराजीलाइन ब्लाक मुख्यालय पहुचॉ. जहॉ ब्लाक सभागार मे बालिका संरक्षण पर एक सभा का आयोजन किया गया. बालिकाओ ने नुक्कड़ नाटक गीत व सभा के माध्यम से भ्रूण हत्या दहेज बाल यौन हिंसा व बाल विवाह आदि के खिलाफ लोगो को जागरूक किया. और बालिका संरक्षण से सम्बन्धित एक मॉग पत्र खण्डविकास अधिकारी श्री श्रवण कुमार राय जी को सौपा.

इस अवसर पर हुई सभा मे वक्ताओ ने बताया कि भारत मे अभी भी महिलाओ को बराबरी का दर्जा नही मिल पाया है. लड़कियो को लिंग जॉच कराकर गर्भ मे ही मार दिया जाता है जिसके कारण आज १00 पुरूषो की तुलना मे केवल ९३१ महिला ही रह गयी है. पंजाब हरियाणा जैसे विकसित राज्यो मे तो महिलाओ की हालत और भी दयनीय है. यही हाल रहा तो महिलाओ के बिना मानव समाज अन्त निश्चित है. इसलिए लिंग जॉच व भ्रूण हत्या करने वाले अस्पतालो व डाक्टरो के खिलाफ कठोर कार्यवाही होनी चाहिए. जन्म के बाद भी लड़कियो की स्थिति बहुत अच्छी नही है. ६५ प्रतिशत पुरूष के मुकाबले महिलाओ का साक्षरता दर केवल ५४ प्रतिशत है. दिन प्रतिदिन दहेज उत्पीड़न बाल यौन हिंसा घरेलु महिला उत्पीड़न की घटनाए बढ़ रही है. सरकार ने कानुन तो बना दिया है लेकिन उसे लागु कराने के प्रति सरकार गम्भीर नही है. भारत सरकार ने ८ सितम्बर से २२ सितम्बर तक बालिका बचाओ पखवाड़ा मनाने की घोषणा की है. लेकिन कही भी लड़कियो के संरक्षण की दिशा मे कोई ठोस पहल नही हो पा रहा है. रैली मे शामिल लोगो ने मॉग किया कि सरकार बालिका संरक्षण की दिशा मे कोई ठोस कार्यक्रम चलाए.

रैली मे मुख्य रूप से उर्मिला, नितु, मेहरूनिशा, पुजा, शुलेखा, चन्द्रकला, विद्या, नीलिमा, बीनिता, प्रेमा, ममता, बिन्दु, आशा, नाजिमा, बेगम, आरती, अन्जु, ममता, अनीता, राजेश, सुरेश, आदि लोगो ने अपने विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन उर्मिला ने किया. तथा धन्यवाद ज्ञापन लोक समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर ने किया.

निःशुल्क स्वास्थ्य कैम्प ः२१ दिसम्बर को आशा सामाजिक स्कुल नागेपुर मे एक स्वास्थ्य जॉच शिविर का आयोजन हुआ. जिसमे करीब २00 अलग अलग प्रकार के

बिमारियों से पिडित रोगियो की जॉच किया गया और उन्हे आवश्यक दवा वितरित किया गया.सभी रोगियो की जॉच डा0 आर0बी0 यादव डा0 सतीश जायसवाल डा0 जे0पी0पाल डा0राजेश मौर्या डा0अजीत कुमार वर्मा ने किया.यह कैम्प डाक्टर चैम्बर्स राजातालाब के तरफ से लगाया गया.

लोक समिति व टीचर कार्यकर्ता का मासिक बैठक : प्रत्येक माह में लोक समिति का बैठक किया गया जिसमे हर माह मे किस किस गॉव मे क्या क्या काम होगा इसकी रिर्पोटिग व प्लानिंग किया गया. इसी प्रकार टीचरो व कार्यकर्ता की बैठक हर माह किया गया जिसमे शिक्षा स्वम सहायता समुह किशोरी केन्द्र को ठीक से संचालन व प्लानिंग का काम किया गया.

लखनऊ मे बैठक : २५व २६ अक्टुबर को मुरादाबाद मे जन आन्दोलनो का राट्रीय समन्वय उ0प्र0 का प्रान्तीय सम्मेलन किया गया.जिसमे लोक समिति के कई साथी भाग लिए.

- इसी प्रकार ९व १0 ८ सितम्बर को लखनऊ मे आयोजित सूचना के अधिकार व नरेगा सम्मेलन मे लोक समिति के ३0 साथियो ने भाग लिया.और उसके बाद आराजी लाइन ब्लाक मे चल रहे कार्यक्रम की जानकारी प्रशासन के लोगो को दिया.कार्यक्रम मे ग्रामीण बिकास मंत्रालय तथा अरूणा राय संदीप जी तथा बहुत सारे सामाजिक कार्य कर्ताओ ने भाग लिया.
- ९ अगस्त से १२ अक्टुबर तक मध्य प्रदेश के सामाजिक कार्यकर्ता डा0 सुनीलम ने किसानो के मुद्दे को लेकर एक राष्ट्रीय यात्रा निकाला था जो कि १३ सितम्बर को राजातालाब वाराणसी पहुचा. यहॉ पर लोक समिति के कार्यकर्ताओ ने सभी यात्रियो का जोरदार स्वागत किया. इसके बाद एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया.जहॉ पर क्षेत्र के करीब १000 लोग शामिल हुए.क्षेत्र के विधायक श्री सुरेन्द्र पटेल की ओर से सभी लोगो को खाने की व्यवस्था किया गया.रात्रि विश्राम के बाद सभी यात्री सुबह इलहाबाद के लिए रवाना हो गये.
- २५ सितम्बर को गौर गॉव मे सुरेश राजभर नामक सुनकर गरीबी के कारण अपनी बीबी व एक बेटे के साथ सामुहिक आत्महत्या कर लिया था. सुबह सूचना मिलने पर लोक समिति के साथी मौके पर पहुचे तथा इसकी जानकारी प्रशासनिक अधिकारियो को दिया गया.प्रशासन ने तत्काल मृतक आश्रित योजना के तहत सुनकर परिवार के बचे सदस्यो को राशन व सहायता राशि पहुचाई. जबकि प्रशासन द्वारा अभी उनके परिवार का राशन कार्ड व अन्य सूविधा देने का आश्वासन दिया गया है.
- २६ सितम्बर को खुन की कमी से होने वाला रोग एनिमिया नियंत्रण पर बी0एच0यू0 के डाक्टरो के सहयोग से एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया

गया.जिसमे लोगो को एनिमिया रोग के लक्षण व इससे बचने के उपाय के बारे मे जानकारी दिया गया.

- २७ से ३० दिसम्बर को कोलकाता मे लर्निंग नेटवर्क का कान्फ्रेंस मे नन्दलाल मास्टर ने भाग लिया . जिसमे अलग अलग जगहो पर शिक्षा पर चल रहे प्रयोग के बारे मे जानकारी मिला.और शिक्षा की दिशा कैसी होनी चाहिए एक वैचारिक समझ मिला.वापस आने के बाद अभी आशा सामाजिक विद्यालय मे भी अलग अलग तरीके से पढ़ाई के प्रयोग किये गये.
- १० व ११ दिसम्बर को आशा शिकागो से आयी स्वीकृति जी ने NJSS के काम को देखा. और उनके आदरणीय पिताजी ने आशा सामाजिक स्कुल के बच्चो का स्वास्थ्य परीक्षण किया.

रिपोर्टर : नन्दलाल मास्टर

कार्यक्रम संयोजक